सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 04 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 5 फरवरी, 2024
मूल्य ₹ 3/-

अगर शांति चाहते हैं तो लोकप्रियता से बचिए।
-अब्राहम लिंकन

बाइजैग में भारतीय गेंदबाजों ने जगाई... 7 | हेमंत सोरेन के बाद ईडी का अगला... 3 | बीजेपी के इस बार सारे फॉर्मूले... 2

काम का या नाम का यूपी बजट !

योगी सरकार ने पेश किया 7.36 लाख करोड़ का बजट

» विपक्ष ने साधा निशाना, पुराने वादों का क्या हुआ
» 24 हजार करोड़ की नई योजनाएं शामिल
» दूसरे कार्यकाल का तीसरा आम बजट पेश

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा में सोमवार को वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने 7.36 लाख करोड़ का बजट पेश किया। यूपी की योगी आदित्याथ सरकार के दूसरे कार्यकाल का तीसरा आम बजट है। इस बजट का आकार 7.36 लाख करोड़ से ज्यादा का है। बजट में 24 हजार करोड़ की नई योजनाएं हैं। इस बजट के बाद राजनीति भी गर्म हुई। बीजेपी ने इसे जहां विकास का बजट बताया तो विपक्ष ने सिर्फ नाम का बजट बताया। साथ ही विपक्ष ने कहा कि पुराने का वादों का क्या हआ। बजट में राम के नाम पर खूब पैसा दिया गया है।

वित्त मंत्री ने बजट भाषण में योगी सरकार के कामों का भी जिक्र किया। उन्होंने रोजगार के मुद्दे पर कहा कि हमारी सरकार अब तक लगभग 6 करोड़ व्यक्तियों को गरीबी से बाहर निकालने में सफल रही है। आज प्रदेश में बेरोजगारी की दर केवल 2.4 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा सेमी कन्डक्टर नीति को मंजूरी दी गई है, यह नीति प्रदेश में सेमी कन्डक्टर इकाईयों की स्थापना एवं विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी जिससे देश और विदेश से प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश प्राप्त होगा। ऐसी नीति लाने वाला उत्तर प्रदेश देश का चैथा राज्य बन गया है।

5060 करोड़ राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के लिए एक करोड़ से अधिक महिलाओं ने की निःशुल्क बस यात्रा

2400 करोड़ आर्थिक विकास योजना हेतु

फोटो: सुमित कुमार

12.15 लाख युवाओं को देंगे प्रशिक्षण

उन्होंने बताया कि एमएसएमई सेक्टर में मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत अब तक 22 लाख 389 लाभार्थियों को लाभान्वित करते हुए 1,79,112 रोजगार सृजित किए गए हैं। एक जनपद एक उत्पाद वित पोषण योजना के अंतर्गत 13,597 लाभार्थियों के माध्यम से 1,92,193 रोजगार सृजित हुए हैं। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना तथा एक जनपद एक उत्पाद कौशल उन्नयन एवं टूलकिट योजना के अंतर्गत लगभग 4.04 लाख रोजगार सृजित हुए हैं। एकेटीयू से संबद्ध लगभग 700 से अधिक संस्थानों के छात्रों के लिए लगभग 25 हजार रोजगार के अवसर पिछले वैक्षिक सत्र में उपलब्ध कराये गए। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत 12.15 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया गया जिनमें से 4.13 लाख युवाओं को विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में सेवायोजित कराया गया। मनरेगा के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में 28 करोड़ 68 लाख मानव दिवस सृजित कराते हुए 75 लाख 24 हजार श्रमिकों को रोजगार प्रदान किया गया तथा वित्तीय वर्ष 2024-25 में 33 करोड़ मानव दिवस का सृजन किए जाने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग योजना के अंतर्गत वर्ष 2023-24 में माह अक्टूबर 2023 तक 408 लाभार्थियों को 1845.88 लाख पूंजीगत निवेश ऋण के साथ 7418 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 117 विकास खंडों में 124 ग्रामीण स्टेडियम/मल्टीपरपज हॉल का निर्माण किया गया है। प्रदेश की ग्राम पंचायतों में 53,800 युवक मंगल दल एवं 51,300 महिला मंगल दलों का गठन किया जा चुका है। इन दलों क माध्यम से युवाओं की सहभागिता राष्ट्रीय एवं सामाजिक महत्व के कार्यों में सुनिश्चित कराई गई है।

यूपी में विकसित होगा विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर

वित्त मंत्री ने कहा कि अटल पेंशन योजनान्तर्गत अब तक प्रदेश में 1 करोड़ 18 लाख नामांकन का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है। विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। राज्य में विकसित हो रही वायु, जल, सड़क एवं रेल नेटवर्क की कनेक्टिविटी से राज्य के उद्योगों में मैन्युफैक्चरिंग इकाईयों को अपने माल के परिवहन में सुविधा उपलब्ध होगी जिससे प्रदेश से निर्यात बढ़ेगा। महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लोकार्पण से प्रदेश में चार अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे संचालित हैं। शीघ्र ही नोएडा के जेवर में दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा प्रारम्भ होने वाला है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश पांच अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला भारत का एकमात्र राज्य बन जाएगा। ईज ऑफ इडुइंग बिजनेस रैंकिंग एवं विभिन्न राज्यों में लॉजिस्टिक्स की सुलभता (लीड्स-2023) रैंकिंग में उत्तर प्रदेश ने 'अचीवर्स' की श्रेणी प्राप्त की है।

लखनऊ में 15,00 एकड़ में विकसित होगी एयरो सिटी

बजट संबोधन के दौरान वित्तमंत्री ने कहा कि लखनऊ में दिल्ली की तर्ज पर एयरो सिटी विकसित किये जाने की योजना है, जो लगभग 1500 एकड़ में विकसित की जायेगी। इसमें 7 सितारा होटल, पार्क, विश्व स्तरीय कन्वेंशन सेंटर जैसी सुविधायें उपलब्ध होंगी।

'रामराज्य' की नींव रखेगा नया बजट : योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि राज्य विधानसभा में पेश किया जाने वाला राज्य का बजट नये उत्तर प्रदेश में ''रामराज्य'' की नींव रखेगा। मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, '' उत्तर प्रदेश के बजट 2024-25 के सदन में प्रस्तुत होने के पूर्व प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना से भेंट हुई। आज सदन में उनके द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला 'पेपरलेस' बजट नये उत्तर प्रदेश में 'रामराज्य' की नींव रखेगा। जय श्री राम!'' राज्य का बजट सोमवार को विधानसभा में पेश किया जाना है।

'निर्माण कामगार मृत्यु व दिव्यांगता सहायता योजना'

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि निर्माण कामगार मृत्यु, विकलांगता सहायता एवं अक्षमता पेंशन योजना तथा निर्माण कामगार अन्त्येष्टि सहायता योजना को एकीकृत करते हुए नई योजना 'निर्माण कामगार मृत्यु व दिव्यांगता सहायता योजना' कर दिया गया है। समस्त योजनाओं में माह नवंबर, 2023 तक 40,183 कामगारों को लाभान्वित किया गया तथा 433 करोड़ रुपये की धनराशि व्यय की गई। निर्माण कामगार गम्भीर बीमारी सहायता योजना के अन्तर्गत गम्भीर बीमारियों का इलाज सरकारी अस्पतालों में कराने पर इलाज के व्यय की शत प्रतिशत प्रतिपूर्ति कराई जा रही है।

10 प्रतिशत सम्पन्न लोगों के लिए है 90 प्रतिशत बजट : अखिलेश

प्रदेश सरकार के बजट पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, भाजपा की सरकार हर बार ये दावा करती है कि सबसे बड़ा बजट आ रहा है... बजट काम का आना चाहिए, बजट केवल नाम का नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा दरअसल भाजपा की नीति आम जनता विरोधी है, वो 10 प्रतिशत सम्पन्न लोगों के लिए 90 प्रतिशत बजट रखती है और 90 प्रतिशत जरूरतमंद जनता के लिए केवल नाममात्र का 10 प्रतिशत बजट। अखिलेश ने कहा, हमें उम्मीद है कि किसान की आय दोगुनी का, बेरोजगार जवान के रोजगार और उत्तर प्रदेश की जनता की सुरक्षा का बजट आएगा। इससे पहले अखिलेश सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर बजट को लेकर सवाल उठाया था। उन्होंने लिखा, यूपी का बजट चाहे 7 लाख करोड़ का हो या 8 लाख करोड़ का, सवाल यही रहेगा कि 90 प्रतिशत जनता के लिए मतलब पीडीए के लिए उसमें क्या है। उधर सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि बीजेपी राज में अधिकारी जमकर भ्रष्टाचार कर रहे हैं।

55 लाख वरिष्ठ नागरिकों को वृद्धावस्था पेंशन

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रदेश के लगभग 55 लाख वरिष्ठ नागरिकों को वृद्धावस्था पेंशन 1000 रुपये प्रतिमाह की दर से प्रदान की जा रही है।

सभी वर्गों की पुत्रियों की शादी के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत एक जोड़े के विवाह पर 51,000 रुपये अनुदान की व्यवस्था है। वित्तीय वर्ष 2022-2023 में 1,00,874 जो?ं का विवाह सम्पन्न कराते हुए 510 करोड़ रुपये का व्यय किया गया। भारत सरकार द्वारा निर्मित 'ई-श्रम' पोर्टल पर उत्तर प्रदेश के लगभग 8.32 करोड़ कामगारों का पंजीकरण हुआ है जो देश में सर्वाधिक है। 26 अगस्त, 2021 से 31 अक्टूबर, 2021 तक ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत 80.11 लाख श्रमिकों को भरण पोषण भत्ता के अंतर्गत 2 हजार रुपये की दर से लगभग 1600 करो? रुपये का भुगतान किया गया।

2441 करोड़ प्रस्तावित प्रधानमंत्री आवास के लिए

1000 रुपये प्रतिमाह पेंशन की धनराशि

गरीब परिवारों को निःशुल्क बिजली कनेक्शन

प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) के तहत गरीब परिवारों को निःशुल्क और अन्य ग्रामीण परिवारों को 50 रूपये की 10 मासिक किश्तों में बिजली कनेक्शन देने की सुविधा दी गई। इस योजना में 62.18 लाख इच्छुक घरों को विद्युत संयोजन निर्मत किए गए। पारेषण तंत्र की कुल क्षमता जो वित्तीय वर्ष 2016-2017 में 16,348 मेगावॉट थी, को वर्ष 2022-2023 में बढ़ाकर 28,900 मेगावॉट तक किया गया है जिसे वित्तीय वर्ष 2023-2024 तक बढ़ाकर 31,500 मेगावॉट तक किया जाना लक्षित है।

अयोध्या बनेगा दुनिया का बड़ा पर्यटन केंद्र

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा में बजट पेश करते हुए कहा कि अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर के निर्माण से हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र को काफी प्रोत्साहन मिला है। अयोध्या दुनिया का बड़ा पर्यटन केंद्र बन गया है। भारत और दुनिया भर से यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है जिससे हमारी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हुआ है। यूपी सरकार ने अपने बजट में प्रदेश की सड़कों पर विशेष फोकस किया है। धर्मार्थ मार्गों के विकास के लिए 1750 करोड़ रुपयों की व्यवस्था की गई है। राज्य की सड़कों की देखरेख के लिए 3000 करोड़ रुपयों की व्यवस्था की गई है।

अपराधी पैदा कर रहे शिंदे : गायकवाड़

» विपक्ष का महाराष्ट्र के सीएम पर निशाना, मांगा इस्तीफा
» भाजपा विधायक ने शिवसेना नेता को मारी थी गोली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ठाणे-मुंबई। महाराष्ट्र के भाजपा विधायक गणपत गायकवाड ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र में अपराधियों का साम्राज्य बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यदि एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री हैं, तो महाराष्ट्र में केवल अपराधी पैदा होंगे। उन्होंने आज मेरे जैसे अच्छे मनुष्य को अपराधी बना दिया। भाजपा विधायक ने मुख्यमंत्री के बेटे एवं कल्याण से सांसद श्रीकांत शिंदे पर बोर्ड लगाकर उनके द्वारा किए गए काम का श्रेय लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, उन्होंने मेरे खिलाफ भ्रष्टाचार का एक आरोप लगाया है। एकनाथ शिंदे ने उस भ्रष्टाचार में कितना पैसा कमाया, शिंदे को बताना चाहिए।

उन्होंने कहा, मैंने अपने वरिष्ठों को कई बार बताया था कि ए लोग मेरे नेताओं के खिलाफ हिंसा कर रहे हैं। ज्ञात हो कि महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक भूमि विवाद को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक विधायक द्वारा गोली चलाने के बाद शिवसेना के एक स्थानीय नेता को कई गोलियां लगीं।

बोले- उद्धव को धोखा दिया अब भाजपा को धोखा देंगे सीएम

विधायकने कहा, शिंदे साहब ने उद्धव (ठाकरे) साहब को धोखा दिया, वह भाजपा को भी धोखा देंगे... उन पर मेरे करोड़ो रुपए बकाया है। अगर महाराष्ट्र का प्रबंधन अच्छे तरीकेसे करना है तो शिंदे को इस्तीफा देना होगा। यह देवेंद्र फडणवीस (उपमुख्यमंत्री) और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मेरा विनम्र अनुरोध है। एकअधिकारी ने बताया कि पुलिस ने गणपत गायकवाड और उनकेसहयोगियो हर्षल केने और संदीप सरवनकर (45) को भारतीय दंड संहिता की धारा 7 और 120बी के तहत गिरफ्तार किया है।

इसके बाद विपक्ष ने राज्य में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने का आरोप लगाते हुए राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के इस्तीफे की मांग की। ठाणे जिले के कल्याण के विधायक गणपत गायकवाड (56) ने गोली चलाने की बात स्वीकार करते हुए एक बताया कि शुक्रवार रात हुई घटना के दौरान पुलिस की मौजूदगी में उनके बेटे को पीटा जा रहा था, जिससे वह उत्तेजित हो गए। गायकवाड और उनके दो सहयोगियों को शनिवार शाम एक मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया और अदालत ने तीनों को 14 दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया। गणपत गायकवाड ने कहा, हां, मैंने खुद (उन्हें) गोली मारी। मुझे कोई पछतावा नहीं है। यदि मेरे बेटे को पुलिस थाने के अंदर पुलिस के सामने पीटा जा रहा है, तो मैं क्या करूंगा। गायकवाड़ ने गोलीबारी की वजह बने जमीन विवाद के बारे में कहा कि उन्होंने 10 साल पहले एक भूखंड खरीदा था। उन्होंने कहा कि कुछ कानूनी मसले थे लेकिन उन्होंने अदालत में मामला जीत लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि महेश गायकवाड ने हालांकि जमीन पर बलपूर्वक कब्जा कर लिया। विधायक ने कहा कि उनका बेटा जमीन के संबंध में एक शिकायत दर्ज कराने उल्हासनगर के पुलिस थाने गया था। उन्होंने कहा, मुझे कतई पछतावा नहीं है। एक पिता के तौर पर, मैं यह बर्दाश्त नहीं कर सकता कि कोई मेरे बच्चे को पीटे।

महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था चरमराई : नाना पटोले

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने दावा किया कि राज्य में कानून-व्यवस्था चरमरा गई है और मुख्यमंत्री शिंदे को इस्तीफा दे देना चाहिए। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार ने इस घटना को चिंताजनक बताया और कहा कि सत्ता के दुरुपयोग की भी एक सीमा होती है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने इस घटना के लिए शिंदे को जिम्मेदार ठहराया। वही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने सवाल किया कि क्या गृहमंत्री (फडणवीस) ने भाजपा नेताओं को कानून-व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने का खुला लाइसेंस दे दिया है, राज्य के मंत्री छगन भुजबल (राकांपा-अजित पवार समूह) ने आरोप का प्रतिवाद किया और सवाल किया, क्या फडणवीस ने विधायक से गोली चलाने के लिए कहा था?

गुजरातियों पर विवादित टिप्पणी मामलें में तेजस्वी ने जताया खेद

» सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर फैसला सुरक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुजरातियों पर विवादित टिप्पणी के चलते मानहानि का मुकदमा झेल रहे आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है। इस बीच तेजस्वी ने एक नया हलफनामा दायर कर गुजरातियों पर की गई विवादित टिप्पणी पर खेद जताया है और अपने बयान को वापस लिया है। कोर्ट ने इस माफीनामा हलफनामे को रिकॉर्ड पर ले लिया है। दरअसल सुनवाई के दौरान कोर्ट ने संकेत दिए थे कि वो मानहानि केस को खत्म भी कर सकते है? कोर्ट ने तेजस्वी को एक हलफनामा दाखिल करने को कहा था कि उन्हें अपनी टिप्पणी के लिए खेद है और वो इसे वापस ले रहे हैं। जिसके बाद तेजस्वी ने ये हलफनामा दायर किया है।

न्यायमूर्ति ए.एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्ल भुइयां की पीठ ने तेजस्वी के पूर्व के हलफनामे को लेकर शिकायतकर्ता द्वारा आपत्ति जताये जाने के बाद एक नया बयान दाखिल करने के लिए राजद नेता को एक हफ्ते का वक्त दिया था। पीठ ने विषय की अगली सुनवाई को पांच फरवरी के लिए स्थगित करते हुए कहा था कि हम याचिकाकर्ता को एक उपयुक्त बयान दाखिल करने के लिए एक हफ्ते का वक्त देते हैं।

भुजबल का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया : फडणवीस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि ओबीसी के वरिष्ठ नेता और राज्य कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है। फडणवीस ने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ही इस पर स्पष्टीकरण दे पाएंगे। भुजबल ने खुलासा किया कि उन्होंने पिछले साल 16 नवंबर को राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने अपनी ही सरकार पर मराठा समुदाय को ओबीसी कोटा में पिछले दरवाजे से आरक्षण देने का आरोप लगाया है। भुजबल ने कहा कि वह दो महीने से अधिक समय तकचुप रहे, क्योंकि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने उन्हें इस बारे में नहीं बोलने के लिए कहा था।

फडणवीस ने कहा, मैं अभी केवल इतना ही कह सकता हूं कि भुजबल का इस्तीफा मैंने या मुख्यमंत्री ने स्वीकार नहीं किया है।

झूठी बातें, दोनों मिले हैं : राउत

सांसद संजय राउत ने भुजबल के इस खुलासे को बेकार की बात करार दिया कि उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल से अपना इस्तीफा पिछले साल नवंबर में दे दिया था। राउत ने कहा, ऐसा बताया जा रहा है कि मनोज जरांगे द्वारा मराठा आरक्षण आंदोलन चलाने के खिलाफ भुजबल के गुस्से के पीछे फडणवीस का हाथ है। दोनो मिले हुए है। मैं इस्तीफा दे दूंगा लेकिन आप इसे स्वीकार नही करेंगे। राज्यसभा सदस्य ने पूछा कि भुजबल का इस्तीफा स्वीकार करने का अधिकार शिंदे के पास है या फडणवीस के पास। उन्होंने कहा, हमारा विचार है कि सभी समुदायो को उनके अधिकार मिलने चाहिए, लेकिन दूसरों के अधिकारों का अतिक्रमण करने की कीमत पर नही।

बीजेपी के इस बार सारे फॉर्मूले फेल: अखिलेश

» बोले- भाजपा उम्मीदवारों के चयन में बहुत पीछे छूटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी को लोक सभा चुनाव के लिए प्रत्याशी नही मिल रहे है। उधर उन्होंने कहा है कि एक सर्वे के अनुसार लोगों से बात करने पर पता चला है कि पीडीए में विश्वास करने वालों की संख्या कुल मिलाकर 90 प्रतिशत है। 49 प्रतिशत पिछड़ें, 16 प्रतिशत दलितों और 21 प्रतिशत अल्पसंख्यकों का विश्वास पीडीए में है। इतना ही नहीं 4 प्रतिशत अगड़ों का विश्वास भी पीडीए में है। इनमें से अधिकांश इस बार पीडीए के लिए एकजुट होकर वोट करेंगे। अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि भाजपा के पिछले सारे फार्मूले इस बार फेल हो गए हैं।

इसीलिए भाजपा उम्मीदवारों के चयन में बहुत पीछे छूट गयी है। भाजपा को उम्मीदवार ही नहीं मिल रहे हैं। महिला पहलवानों की दुर्दशा, मणिपुर की वीभत्स घटना, मां-बेटी को जलाने के कांड जैसी अनगिनत नारी अपमान की घटनाओं को लेकर भाजपा समर्थक महिलाएं भी शर्मिंदा हैं। अखिलेश ने कहा कि किसानों के बीच दोगुनी आय के झूठे वादों, पशुओं से छुटकारा दिलाने, महंगी होती कृषि की लागत के कारण भाजपा विरोधी लहर चल रही है। जीएसटी की कठिनाइयां दुकानदारों, व्यापारियों व छोटे कारखाना मालिकों को भाजपा से पहले ही दूर कर चुकी है। इस चौतरफा विरोध के माहौल में भाजपा उत्तर प्रदेश में हार मानकर बैठ चुकी है। उन्होंने नारा देते हुए कहा कि पीडीए की अंगड़ाई से भाजपा मुसीबत में है।

न्याय यात्रा का निमंत्रण नहीं मिला

कांग्रेस और सपा के बीच दूरियां कम नहीं हो रही हैं। सीट बंटवारे को लेकर रस्साकशी के बीच अखिलेश यादव ने कहा कि उन्हें राहुल गांधी की न्याय यात्रा में शामिल होने के लिए कांग्रेस की तरफ से निमंत्रण नहीं मिला है। मालूम हो कि जल्द ही राहुल गांधी की न्याय यात्रा यूपी में प्रवेश करेगी। अखिलेश यादव ने मीडिया से कहा था कि बहुत से बड़े कार्यक्रम होते हैं, पर हमें आमंत्रित नहीं किया जाता है।

रूट फाइनल होने के बाद सहयोगी दलों को देंगे जानकारी : जयराम

कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता जयराम रमेश ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के न्याय यात्रा के संबंध में दिए गए बयान पर कहा है कि राहुल गांधी की यात्रा का रूट यूपी में दो-तीन दिनों में फाइनल हो जाएगा। तब सहयोगी दलों के साथ कार्यक्रम साझा किया जाएगा।

नेहरू व आंबेडकर के भारत को बचाने के लिए साथ आएं बहुजन : पुनिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद पीएल पुनिया ने कहा है कि आज के समय में बहुजन समाज के लोगों की जिम्मेदारी है कि पंडित जवाहर लाल नेहरू व बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के सपनों के भारत को मजबूत बनाने व संविधान को बचाने के लिए कांग्रेस को मजबूत बनाएं। बहुजन समाज के लोगों को मुख्यधारा में लाने का कांग्रेस का प्रयास लगातार जारी है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में रविवार को हुई प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि आज के परिप्रेक्ष्य में मल्लिकार्जुन खरगे व राहुल गांधी के नेतृत्व में ही देश में समता, समानता, भाईचारा व न्याय की पुर्नस्थापना हो पाएगी।

बहुजन समाज को भयमुक्त कर मुख्य धारा से जोड़ने के

लिए राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा एक उम्मीद की किरण बनी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा से ही अनुसूचित जाति/ जनजाति के अधिकारों के लिए संघर्ष करती आई है। प्रेसवार्ता में प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष सुशील पासी, मीडिया विभाग के चेयरमैन डॉ. सीपी राय, शिव भगवान, बीएल दोहरे, भुवनेश भूषण समेत कई मौजूद रहे।

हेमंत सोरेन के बाद ईडी का अगला निशाना कौन?

लोकसभा चुनाव से पहले किसी और बड़े विपक्षी नेता की भी हो सकती है गिरफ्तारी

प्रवर्तन निदेशालय के पांच समनों को केजरीवाल कर चुके हैं दरकिनार

» कई विपक्षी नेताओं पर लटक रही ईडी की तलवार

» लालू-तेजस्वी भी हैं लगातार ईडी की रडार पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों को लेकर देश का सियासी तापमान इस समय बढ़ा हुआ है। जो उम्मीदन जब तक चुनाव हो नहीं जाएंगे तब तक बढ़ा ही रहेगा। सभी सियासी दलों द्वारा अपनी-अपनी पार्टी को जीत दिलाने की कवायद की जा रही है। देश की सत्ताधारी पार्टी भाजपा ने इस बार 400 पार का लक्ष्य तय किया है। जिसे पाने के लिए पार्टी पूरी शिद्दत से लगी है। हालांकि, ये बात बीजेपी भी जानती है कि ये लक्ष्य पाना इतना आसान नहीं है। तभी पार्टी इस लक्ष्य के करीब जाने के लिए भी साम-दाम-दंड-भेद सभी अपना रही है।

यही वजह है कि चुनाव करीब आता देख भाजपा की मोदी सरकार ने सरकारी एजेंसियों को भी छोड़ दिया है। केंद्र सरकार के इशारे पर ईडी, इनकम टैक्स और सीबीआई जैसी सरकारी एजेंसियां अब विपक्षी नेताओं के पीछे लग गई हैं। इन सरकारी एजेंसियों द्वारा मोदी सरकार का मकसद विपक्षी नेताओं को डराना और धमकाना है। या तो वो नेता इन सरकारी एजेंसियों के डर से भाजपा के साथ आ जाएं या एनडीए में शामिल हो जाएं। नहीं तो उन्हें जेल में डाल दिया जाएगा। जिसका ताजा उदाहरण झारखंड में देखने को मिला। जहां मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी ने कथित जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार कर लिया। अब वो ईडी की हिरासत में। हालांकि, गिरफ्तारी से पहले उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। जिसके बाद अब चंपई सोरेन के रूप में झारखंड को नया मुख्यमंत्री मिला है।

लेकिन ऐसा नहीं है कि हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के साथ ईडी-सीबीआई का खेल खत्म हो गया। दरअसल, अभी लोकसभा चुनावों में समय है और भाजपा की मोदी सरकार चुनाव से पहले अभी और विपक्षी नेताओं पर ईडी-सीबीआई व इनकम टैक्स का डर दिखाकर उन्हें या तो अपने पाले में करना चाहेगी या फिर जेल में डालने चाहेगी। इस सबके पीछे मकसद सिर्फ एक ही है एकजुट होते विपक्ष को तोड़ना और उसे कमजोर करना। ऐसे में अब सवाल ये ही उठता है कि हेमंत सोरेन के बाद अब भाजपा व ईडी-इनकम टैक्स और सीबीआई जैसी सरकारी एजेंसियों का अगला निशाना कौन होगा? क्योंकि खेला अभी बाकी है और कई विपक्षी नेता पहले से ही इन सरकारी एजेंसियों के निशाने पर बने हुए हैं। क्या ईडी का अगला टारगेट आम आदमी पार्टी के मुखिया व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल होंगे?

केजरीवाल को अब तक पांच समन कर चुकी है ईडी

हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद खतरे की घंटी सबसे तेज तो दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आस-पास ही बज रही है। दरअसल, दिल्ली के कथित शराब घोटाले में ईडी दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर भी आरोप लगा रही है। दिल्ली शराब नीति केस को लेकर ईडी का आरोप है कि करीब 100 करोड़ का घोटाला हुआ है। जिसमें केजरीवाल का भी नाम सामने आ रहा है। इतना ही नहीं ईडी केजरीवाल को अब तक पांच बार समन भी कर चुकी है। लेकिन दिल्ली के मुख्यमंत्री एक भी बार ईडी के सामने पेश नहीं हुए हैं। अगर हेमंत सोरेन से अरविंद केजरीवाल की तुलना करें तो दिल्ली के मुख्यमंत्री ने खतरनाक सफर का अभी आधा हिस्सा ही पूरा किया है। दरअसल, ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय ने हेमंत सोरेन को गिरफ्तार करने से पहले 10 नोटिस भेजे थे। जबकि अरविंद केजरीवाल को अब तक 5 नोटिस मिल चुके हैं। गिरफ्तारी से बचने या उसका सबसे ज्यादा फायदा उठाने वाले मौके की तलाश में जैसे हेमंत सोरेन जुगाड़ में रहे होंगे। अरविंद केजरीवाल को वैसी तरकीबों की अब भी तलाश होगी। दरअसल, पांचवें समन के मुताबिक, अरविंद केजरीवाल को ईडी के सामने 2 फरवरी को ही पेश होना था। लेकिन केजरीवाल पिछले चार समन की तरह इस समन पर भी ईडी के सामने पेश नहीं हुए और ईडी के समन को फिर से गैरकानूनी बता दिया। आप की ओर से कहा गया कि कानूनी रूप से सही समन की तामील करेंगे। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा गया। आप ने कहा कि पीएम मोदी का मकसद अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करना है। पीएम मोदी गिरफ्तार करके दिल्ली की सरकार गिराना चाहते हैं। हम ये कतई नहीं होने देंगे। वहीं इससे पहले सीएम केजरीवाल चौथ समन पर भी ईडी के सामने हाजिर नहीं हुए थे। तब उन्होंने कहा था कि ईडी ने मुझे चौथा नोटिस भेजा है। ईडी ने नोटिस में कहा है कि आप 18 या 19 जनवरी में से किसी भी तारीख को आ जाइए। ईडी द्वारा भेजे गए चारों नोटिस कानून की नजर में गैरकानूनी और अमान्य हैं। ईडी द्वारा पहले जब भी इस तरह के नॉन स्पेसिफिक जनरल नोटिस भेजे गए, उनको कोर्ट ने निरस्त कर दिया और उसे गैरकानूनी व अमान्य करार दिया है। जाहिर है कि दिल्ली शराब नीति केस को लेकर ईडी का आरोप है कि करीब 100 करोड़ का घोटाला हुआ है। अरविंद केजरीवाल रिश्वत के आरोपों से अब तक इनकार करते आये हैं। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के दो साथी नेता मनीष सिसोदिया और संजय सिंह इसी मामले में पहले से ही जेल में हैं।

भाजपा के खिलाफ आक्रामक हो रहे अरविंद केजरीवाल

ऐसे में सवाल ये ही कि क्या अब भाजपा व ईडी का अगला टारगेट सीएम केजरीवाल होंगे? क्या केजरीवाल वो दूसरे सीएम होंगे जो मुख्यमंत्री के रूप में ईडी द्वारा गिरफ्तार होंगे? क्योंकि एक ओर जहां केजरीवाल की ओर से लगातार ईडी के समन को गैरकानूनी बताकर दरकिनार किया जा रहा है। तो वहीं दूसरी ओर चंडीगढ़ मेयर चुनाव में हुई धांधली और बेईमानी से भाजपा उम्मीदवार को जिताने के विरोध में केजरीवाल के नेतृत्व में ही 2 फरवरी को आप ने दिल्ली में एक विशाल प्रदर्शन किया। इस दौरान आप कार्यकर्ताओं ने भाजपा मुख्यालय का भी घेराव किया। भाजपा को वोट चोर बताते हुए आप ने दिल्ली में विशाल प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। इस प्रदर्शन के दौरान भाजपा पर निशाना साधता हुए केजरीवाल ने कहा कि चंडीगढ़ चुनाव छोटा सा चुनाव था। लेकिन दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी उसमें चोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़ी गई। ये चुनाव दिखाता है कि इनका पाप का घड़ा भर गया है। भगवान आसमान में बैठकर झाड़ू चलाता है। केजरीवाल ने आगे बीजेपी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि अगर ये छोटे से चुनाव में जनतंत्र के साथ खिलवाड़ कर सकते हैं, तो लोकसभा और विधानसभा चुनाव में पता नहीं कितनी बड़ी गड़बड़ करते होंगे। भाजपा सत्ता के लिए देश भी बेच सकती है। इनके लिए देश जरूरी नहीं है। ये देश तक को दांव पर लगा सकते हैं। हम ऐसा नहीं होने देंगे। केजरीवाल का ये आंदोलन व प्रदर्शन भाजपा और साहेब की नींदें उड़ा सकता है। क्योंकि केजरीवाल और आम आदमी पार्टी का सियासी जन्म ही एक आंदोलन से ही हुआ है। ऐसे में अगर केजरीवाल ने चंडीगढ़ मेयर चुनाव के मुद्दे को बड़ा बना लिया और इसको लेकर प्रदर्शन करना शुरू दिया तो बेशक ही ये भाजपा के लिए एक बड़ा सिर दर्द बन सकता है। यही वजह है कि केजरीवाल अब भाजपा के लिए सबसे खतरनाक हो रहे हैं। इसलिए ईडी व बीजेपी का अगला लक्ष्य अरविंद केजरीवाल ही हो सकते हैं। हालांकि, केजरीवाल को गिरफ्तार करने से पहले भाजपा को काफी सोचना पड़ेगा। क्योंकि केजरीवाल व आप सिर्फ दिल्ली तक ही सीमित नहीं हैं। दिल्ली से इतर पंजाब में तो केजरीवाल की पार्टी सत्ता में ही है। इसके अलावा राजस्थान, गुजरात, गोवा व यूपी में भी आम आदमी पार्टी अपने पैर पसार रही है। साथ ही केजरीवाल के साथ अभी इंडिया गठबंधन का हाथ भी है। ऐसे में केजरीवाल को गिरफ्तार करने पर दिल्ली के साथ-साथ कुछ अन्य राज्यों में भी भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। जो कि चुनाव से पहले भाजपा बिल्कुल नहीं चाहेगी। क्योंकि अरविंद केजरीवाल को लोकसभा चुनाव से पहले अरेस्ट करने का दांव भाजपा को ही उल्टा पड़ सकता है। हालांकि, इसमें कोई शक नहीं है कि हेमंत सोरेन के बाद अब बीजेपी व ईडी का अगला प्राइम टारगेट अरविंद केजरीवाल ही हैं।

बिहार में भी एक्शन में दिख रही ईडी

केजरीवाल के अलावा बिहार में भी सत्ता परिवर्तन के बाद ईडी काफी एक्शन में नजर आ रही है। लगातार आरजेडी प्रमुख लालू यादव और उनके बेटे व पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को समन भेजकर पूछताछ के लिए बुला रही है। लैंड फॉर जॉब स्कैम मामले में ईडी लालू और तेजस्वी दोनों से ही लंबी पूछताछ कर चुकी है। ऐसे में तेजस्वी यादव पर भी ईडी की गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। क्योंकि नीतीश के फिर से पलटी मारकर एनडीए में जाने के बाद अब भाजपा तेजस्वी पर हमलावर है। क्योंकि बीजेपी भी ये जानती है कि अब बिहार में उसका मुकाबला सिर्फ आरजेडी से ही है। वहीं तेजस्वी यादव को लेकर जनता के बीच में भी काफी उत्साह है। यही वजह है कि बीजेपी तेजस्वी को ज्यादा टारगेट कर रही है। क्योंकि फिलहाल तो जेडीयू भाजपा के ही साथ है। अगर न भी साथ हो तो जेडीयू व नीतीश अब अपने सियासी ढलान पर हैं। नीतीश की छवि बार-बार पलटी मारने से काफी बिगड़ चुकी है। तो वहीं उनके वोट बैंक में भी भाजपा बड़ी सेंधमारी कर चुकी है। लेकिन दूसरी ओर जबसे तेजस्वी को लालू ने आगे बढ़ाया है, तबसे आरजेडी एक बार फिर उठ खड़ी हुई है और तेजस्वी भी शिक्षा से लेकर रोजगार और इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर काफी काम कर रहे हैं। यही वजह है कि बिहार में तेजस्वी ही भाजपा की आंख में खटक रहे हैं। लेकिन तेजस्वी भी बिहार का एक बड़ा चेहरा हैं और उनके पास एक बड़ी संख्या में खास वोट भी है। इसलिए तेजस्वी को भी चुनाव से पहले गिरफ्तार करना भाजपा को महंगा पड़ सकता है। यही वजह है कि 9-10 घंटे की पूछताछ के बाद भी लालू और तेजस्वी को ईडी ने अब तक गिरफ्तार नहीं किया है। फिलहाल एक ओर केजरीवाल हैं तो दूसरी ओर तेजस्वी यादव। इसके अलावा ईडी के लपेटे में तो सोनिया-राहुल से लेकर भूपेश बघेल, भूपेंद्र हुड्डा, अशोक गहलोत व शरद पवार के पोते रोहित पवार जैसे कई विपक्षी नेता हैं। लेकिन फिलहाल देखना ये है कि इनमें से अगला नंबर चुनाव से पहले किसका लगता है? क्या वो केजरीवाल होंगे या तेजस्वी यादव? क्योंकि भाजपा भी जानती है कि इस बार उसके लिए सत्ता की राह इतनी आसान नहीं है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आडवाणी जी : भारत रत्न या चुनावी रत्न!

एक ओर वो विपक्षी नेताओं पर ईडी-सीबीआई जैसी सरकारी एजेंसियों के द्वारा दबाव बना रही है और उन्हें या तो जेल में डाल रही है, या फिर अपनी ओर मिलाने का प्रयास कर रही है। वहीं दूसरी ओर पुरस्कारों व सम्मानों के जरिए भी सियासी समीकरण साधे जा रहे हैं। इस बीच आज मोदी सरकार की ओर से दिग्गज भाजपाई नेता व पूर्व उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को लेकर एक बड़ा ऐलान किया गया।

लोकसभा चुनाव करीब आता जा रहा है। देश की सियासत भी गरमाई हुई है। अपने 400 पार के लक्ष्य को पाने के लिए भाजपा इस बार हर तरीके को आजमा रही है। एक ओर वो विपक्षी नेताओं पर ईडी-सीबीआई जैसी सरकारी एजेंसियों के द्वारा दबाव बना रही है और उन्हें या तो जेल में डाल रही है। दूसरी ओर पुरस्कारों व सम्मानों के जरिए भी सियासी समीकरण साधे जा रहे हैं। इस बीच आज मोदी सरकार की ओर से दिग्गज भाजपाई व पूर्व उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को लेकर एक बड़ा ऐलान किया गया। मोदी सरकार ने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठतम नेता व राम मंदिर आंदोलन और बाबरी विध्वंस के मुख्य नेतृत्वकर्ता लालकृष्ण आडवाणी को देश का सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न देने की घोषणा की। 96 वर्षीय आडवाणी जी अटल जी के साथ भाजपा को स्थापित करने वालों में शामिल हैं।

जब गोधरा कांड के बाद अटल जी ने मोदी को राजधर्म निभाने की बात कहते हुए सीएम पद से इस्तीफा देने की बात कही थी, तब इन्हीं आडवाणी जी ने मोदी का समर्थन करते हुए अटल जी को समझाया था। उसके बाद मोदी को प्रधानमंत्री बनाने में भी एलके आडवाणी की बड़ी भूमिका रही। लेकिन इन्हीं नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद आडवाणी जी के साथ जो बर्ताव किया वो किसी से छिपा नहीं है। ऐसे कई वाकये हैं जब आडवाणी पीएम मोदी के सामने मंच पर हाथ जोड़े दिखे और मोदी जी ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया। जब 2014 में पीएम मोदी सत्ता में आए तो आडवाणी जी को मोदी कैबिनेट में भी कोई स्थान नहीं मिला। उल्टा मोदी जी ने आडवाणी को मार्गदर्शक मंडल में डाल दिया। इसके बाद लगा था कि प्रणब मुखर्जी के बाद लालकृष्ण आडवाणी को देश का अगला राष्ट्रपति बनाया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। 2019 के लोकसभा चुनाव में उनकी परंपरागत सीट गांधीनगर से आडवाणी की जगह मोदी ने अपने करीबी अमित शाह को लोकसभा चुनाव लड़ा दिया। इस तरह आडवाणी जी अब भाजपा में पूरी तरह से किनारे लगा दिए गए। मोदी को शायद ही कभी किसी मंच से आडवाणी जी का नाम तक लेते सुना गया हो। लेकिन जब राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम हुआ तो हर किसी को आडवाणी याद आ गए। अब जब लोकसभा चुनाव करीब हैं और राम मंदिर का मुद्दा चरम पर है। तो मौके का फायदा उठाते हुए मोदी जी ने तुरंत ही राम मंदिर आंदोलन के मुखिया लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न देने का ऐलान कर दिया। ताकि एक बार फिर आडवाणी के नाम पर लोगों को लुभाया जा सके। पीएम मोदी के लिए आडवाणी जी भारत रत्न नहीं बल्कि एक चुनावी रत्न हैं, जिनके दम पर एक बार फिर वो अपनी सियासी रोटियां सेंकना चाहते हैं।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पूर्ण बजट में उभरेगी आर्थिकी की असली तस्वीर

मधुरेन्द्र सिन्हा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा चुनाव के पहले अपना छठा बजट पेश किया जो सही मायनों में वोट ऑन अकाउंट था। दरअसल चुनाव के कारण परंपरागत रूप से कोई भी वित्त मंत्री पूर्ण बजट पेश नहीं करता और वोटरों को ललचाने वाले कदम नहीं उठाता। श्रीमती सीतारमण ने भी ऐसा ही किया। उन्होंने भी इस परंपरा का पालन किया और रेवड़ियां बांटने की कोई कोशिश नहीं की। इसमें उन्होंने अच्छी तरह से अर्थव्यवस्था की स्थिति की व्याख्या की। उन्होंने यह भी बताया किस तरह से सरकार ने राजकोषीय घाटे को मैनेज किया और उसे लक्ष्य से भी नीचे ही रखा। पहले लक्ष्य था कि राजकोषीय घाटा कुल जीडीपी का 5.9 फीसदी हो लेकिन सरकार के प्रयासों और टैक्स देने वालों की उदारता से राजकोषीय घाटा 5.8 फीसदी पर ही रहा। यहां पर उन करोड़ों टैक्स देने वालों का भी योगदान रहा जिनके टैक्स देने से प्रत्यक्ष कर वसूली लक्ष्य से कहीं ज्यादा रही और सरकार को अपना लक्ष्य पाने में मदद मिली।

वित्त मंत्री के भाषण को सुनने के बाद यह स्पष्ट हो गया कि सरकार इस समय आत्मविश्वास से भरी हुई है और उसे अगली लोकसभा भी दिख रही है। यहां पर यह कहना अनुचित नहीं होगा कि एनडीए सरकार वापसी की ओर देख रही है। अगर ऐसा नहीं होता तो वह इसी बजट में किसी न किसी तरह रेवड़ियां बांटती, टैक्स में छूट देती और कुछ अन्य सुविधाएं देती। लेकिन यहां पर हमने देखा कि वित्त मंत्री ने इन सभी से दूरी बनाए रखी और इस बात का पूरा ख्याल रखा कि वोट ऑन अकाउंट की परंपरा का पालन हो। यह इस बात को इंगित करता है कि वित्त मंत्री ने अपनी पार्टी के बारे में न सोचकर देश की अर्थव्यवस्था के बारे में सोचा। इस समय जबकि सभी अन्य पार्टियां राज्यों में चुनावों में किस तरह से रेवड़ियां बांट रही थीं और सरकारी खजाने को अपने निजी स्वार्थ के लिए निर्ममता के साथ लुटा रही थीं, श्रीमती निर्मला सीतारमण का यह व्यवहार प्रशंसनीय है। सभी पार्टियों को इसका अनुकरण करना चाहिए, चुनाव जीतने के लिए जनता की गाढ़ी कमाई से दिये गये टैक्स के पैसों को उड़ाना कहां तक उचित है?

बहरहाल वित्त मंत्री ने एक बढ़िया परंपरा रखी है जिसका आगे भी पालन होना चाहिए। अब इस बजट पर चर्चा करने के लिए कुछ खास नहीं है। वित्त मंत्री ने टैक्स संबंधी पुराने अदालती

मामलों को खत्म करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। देश में लाखों ऐसे टैक्स देने वाले हैं जो पुराने विवादों में फंसे हुए हैं यानी उनकी टैक्स देनदारी पर विवाद है। ऐसे मामलों को सदा के लिए खत्म करने के लिए वित्त मंत्री ने सरकारी लेनदारी को एक सीमा तक खत्म कर दिया है जिससे वे लोग आगे टैक्स दे सकेंगे। वर्षों से चल रहे ऐसे मामलों से छुटकारा पाकर सरकार ने टैक्स देने वालों को राहत दी है। एक छोटा सा कदम सरकार ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को आयुष्मान भारत योजना में शामिल करके उठाया है। आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताएं ग्रामीण तथा आदिवासी भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की पहली सीढ़ी हैं। दूर-दराज के इलाकों तथा वन क्षेत्रों में इनकी उपस्थिति तथा काम के प्रति निष्ठा से ही स्वास्थ्य सेवाएं देना संभव हुआ है। कोविड काल में इन्होंने अपनी जान पर खेलकर टीकाकरण के काम में जो कुछ किया उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। उनके लिए सरकार ने एक अच्छा कदम उठाया है। इससे उन्हें इसी तरह काम करते रहने की प्रेरणा मिलेगी। अब लोकसभा चुनाव की ओर सभी का ध्यान है। बस कुछ ही दिनों में निर्वाचन आयोग इसकी घोषणा करेगा और फिर राजनीतिक हलचल अपने चरम पर होगी। लेकिन यह सरकार कुछ ऐसा जता रही है मानो वह भविष्य के प्रति निश्चिंत है। यही कारण था कि वित्त मंत्री ने इनकम टैक्स के यथावत रहने का भी संकेत दे दिया। उन्होंने टैक्स देने वालों को ललचाने की कोई कोशिश भी नहीं की। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि इनकम टैक्स की दरें पहले की ही तरह होंगी और उनमें बदलाव या छूट की कोई गुंजाइश नहीं है। लोकसभा चुनाव के सिर पर रहने के बावजूद इतना बड़ा कदम उठाना वाकई प्रशंसा का विषय है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने में नई व्यवस्था के तहत सात लाख रुपये तक कमाने वालों पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। यह व्यवस्था पिछले साल भी थी। इसका मतलब हुआ कि अगला बजट पेश करने में अगर वह वित्त मंत्री रहीं तो इनकम टैक्स की दरों में कोई बदलाव नहीं होगा। यहां पर एक बात उल्लेखनीय है कि भारत की अर्थव्यवस्था भले ही दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है, उसके पास अन्य पैसे वाले देशों की तुलना में टैक्स देने वाले बहुत ही कम हैं। यहां की कुल आबादी का दो प्रतिशत ही टैक्स देती हैं।

युवाओं के हौसलों की उड़ान को संबल

प्रमोद भार्गव

बीते कुछ सालों में भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में अनेक वैश्विक उपलब्धियां हासिल करके दुनिया को चौंकाने का काम कर दिया है। इनमें पहली बार चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचना, सूर्य के अध्ययन के लिए आदित्य-एल मिशन प्रक्षेपित करना और इसरो द्वारा ब्लैक होल के रहस्यों को खंगालने के लिए उपग्रह भेजने जैसी उपलब्धियां शामिल हैं। भविष्य में भारत अंतरिक्ष में मानव युक्त गगनयान भेजने और शुक्र ग्रह पर पर जाने की तैयारी में है। धरती और समुद्री सतह पर भी उल्लेखनीय वैज्ञानिक उपलब्धियां हासिल की हैं। बावजूद वैज्ञानिक अनुसंधानों में भारत कई देशों से पिछड़ रहा है। धन की कमी के चलते संस्थाएं और मौलिक सोच रखने वाले युवा सपने देखते ही रह जाते हैं। इसकी एक वजह निजी क्षेत्र का अनुसंधान में ज्यादा योगदान नहीं देना भी रहा है।

अब 2024 के अंतरिम बजट में ऐसे प्रावधान कर दिए हैं, जो युवाओं के सपने पूरा करने में मदद करेंगे। उन्हें अब धन की कमी आड़े नहीं आएगी। शोध के लिए वे जितना चाहेंगे, ब्याज मुक्त धन मिल जाएगा। बजट में सरकार ने युवाओं के सपने साकार करने के लिए बड़ा ऐलान किया है। इसके अंतर्गत 50 वर्षों तक के लिए ब्याज मुक्त ऋण हेतु एक लाख करोड़ रुपये की निधि तय की गई है, इससे उभरते नवीन क्षेत्रों में अनुसंधान और आविष्कारों के लिए आर्थिक मदद दी जाएगी। इस पहल से शोध में तो तेजी आएगी ही, नए रोजगार भी विकसित होंगे। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'जय अनुसंधान' नारे से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत 'राष्ट्रीय शोध संस्थान' के गठन की घोषणा की थी। 2021 के बजट में इस मकसद पूर्ति के लिए 5 वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपये खर्च भी किए जाने हैं। इस परिप्रेक्ष्य में शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर शोध के क्षेत्र में तेजी आई हुई है। इसका कारगर परिणाम हाल ही में जारी हुई उच्च शिक्षण संस्थानों की विश्वस्तरीय रैंकिंग में दिखा दी है। अब तक भारत अपनी जीडीपी का मात्र 0.65 प्रतिशत शोध पर खर्च करता रहा है।

अतएव एक लाख की आबादी पर महज 26 शोधार्थी ही नए शोध कर पाते हैं, जबकि निम्न आय वाले देशों में यह अनुपात 32 और चीन में 169 एवं अमेरिका में 445 है। धन की कमी से शोध कार्य न केवल लंबे खिंचते हैं, बल्कि कभी-कभी अप्रासंगिक भी हो जाते हैं। इस नाते भारत अनुसंधान के पैमाने पर चीन और अमेरिका से तो पीछे है ही, दक्षिण अफ्रीका से भी पिछड़ा है, दक्षिण अफ्रीका में जीडीपी दर 0.8 प्रतिशत है, जो भारत से अधिक है। बहरहाल, आर एंड डी पर विश्व का औसत खर्च 1.8 प्रतिशत है, अतएव हम औसत खर्च का आधा भी खर्च नहीं करते हैं। भारत का शोध पर कुल खर्च 17.6 अरब डॉलर है, जबकि अमेरिका का 581 और चीन का 298 अरब डॉलर है। नतीजतन हम नए अनुसंधान, आविष्कार और स्वदेशी उत्पाद में पिछड़े हैं। इसीलिए पेटेंट के क्षेत्र में भारत विकसित देशों की बराबरी करने में पिछड़ गया है। भारत से कम जीडीपी वाले फ्रांस, इटली, ब्रिटेन और ब्राजील भी हमसे कई गुना ज्यादा धन शोध पर खर्च करते हैं। यदि यही सिलसिला जारी रहता तो वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत भविष्य में कैसे टिक पाता? गोया, शोध के क्षेत्र में धन बढ़ाकर भारत ने न केवल युवाओं के हौसलों को उड़ान भरने का सुनहरा अवसर दिया है, बल्कि आविष्कार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो जाने का मार्ग भी प्रशस्त कर दिया है।

भारत में उच्च शिक्षा के 40 हजार से ज्यादा संस्थान हैं। इनमें से सिर्फ एक प्रतिशत में अनुसंधान होता है। इसीलिए अब तक दुनिया के 100 बेहतरीन संस्थानों में से भारत का एक भी नहीं है। शोध का अवसर नहीं मिलने के चलते ही भारत के युवा अमेरिका, जर्मनी और ब्रिटेन में पीएचडी के लिए चले जाते हैं। इनमें से अधिकतर वापस भी नहीं लौटते। पिछले साल अमेरिका में विज्ञान पढ़ने वाले विदेशी छात्रों में सबसे ज्यादा भारत के ही छात्र थे। भारत में सरकार या सरकारी संस्थाएं ही सबसे ज्यादा शोध का खर्च वहन करती हैं। जबकि अमेरिका में सरकार शोध पर सिर्फ 10 प्रतिशत और चीन में सिर्फ 16 प्रतिशत खर्च करती हैं। बाकी खर्च निजी क्षेत्र उठाता है। यदि भारत के निजी उच्च शिक्षा संस्थान शोध के क्षेत्र में खर्च की भागीदारी बढ़ा दें तो शोध का स्तर बेहतर हो सकता है। यदि ऐसा होता है तो संभव है कि भारत विज्ञान के क्षेत्र में शिखर पर पहुंच जाए। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि विज्ञान के क्षेत्र में भारतीयों की रुचि अधिक है। भारत दुनिया का अकेला ऐसा देश हैं, जहां के 31 प्रतिशत विद्यार्थी विज्ञान, गणित और तकनीकी विषयों में सबसे ज्यादा रुचि लेते हैं। इसके बाद इस्राइल है जहां के 27 प्रतिशत छात्र और फिर अमेरिका आता है, जहां के 20 प्रतिशत छात्र विज्ञान, गणित और तकनीकी विषयों में रुचि लेते हैं।

हालांकि नवाचारी वैज्ञानिकों को लुभाने की सरकार ने अनेक कोशिशें की हैं। बावजूद देश के लगभग सभी शीर्ष संस्थानों में वैज्ञानिकों की कमी है। वर्तमान में देश के 70 प्रमुख शोध-संस्थानों में 3200 वैज्ञानिकों के पद खाली हैं। बेंगलुरु के वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद से जुड़े संस्थानों में सबसे ज्यादा 177 पद रिक्त हैं। पुणे की राष्ट्रीय रसायन प्रयोगशाला में 123 वैज्ञानिकों के पद खाली हैं। देश के इन संस्थानों में यह स्थिति तब है, जब सरकार ने पदों को भरने के लिए आकर्षक योजनाएं शुरू की हुई हैं। इनमें रामानुजन शोधवृत्ति, सेतु-योजना, प्रेरणा-योजना और विद्यार्थी-वैज्ञानिक संपर्क योजना शामिल

नैनीताल

अयोध्या से नैनीताल की दूरी 532 किलोमीटर है। नैनीताल उत्तराखंड का खूबसूरत हिल स्टेशन है जो पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। नैनीताल ऊंचे पहाड़ों और मनमोहक झील-झरनों के बीच स्थित सुंदर हिल स्टेशन है, जिसकी खूबसूरती देवदार के पेड़ और घने हरे-भरे मैदान बढ़ाते हैं। नैनीताल में नैनी झील, नैना देवी मंदिर, केव गार्डन, टिफिन टॉप और हिमालयन व्यू पॉइंट घूम सकते हैं। यहां ट्रेकिंग के साथ पैराग्लाइडिंग का लुत्फ भी उठा सकते हैं।

गुलाबी सर्दी में इन पर्यटन स्थलों की करें सैर

रामलला मंदिर परिसर के चारों कोनों पर चार मंदिर हैं - सूर्य देवता, देवी भगवती, भगवान गणेश और भगवान शिव को समर्पित। मां अन्नपूर्णा का मंदिर उत्तरी तरफ है, जबकि हनुमान मंदिर दक्षिणी तरफ है।

मंदिर का निर्माण पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक का उपयोग करके किया जा रहा है, जिसमें पर्यावरण जल संरक्षण पर विशेष जोर दिया जाएगा।

पोखरा

करीब 352 किमी का समय तय करके अयोध्या से पोखरा पहुंच सकते हैं। यह खूबसूरत हिल स्टेशन भारत के पड़ोसी देश नेपाल में स्थित है। इस मनमोहक हिल स्टेशन में प्राकृतिक सौंदर्य, मनमोहक झीलों, पर्वतीय चोटियों और शांतिपूर्ण वातावरण का लुत्फ उठा सकते हैं। पोखरा हनीमून डेस्टिनेशन के रूप में प्रसिद्ध है। पोखरा नेपाल के पश्चिम शहर में स्थित एक सुन्दर शहर है, यह सुंदर प्राकृतिक दृश्य के लिए जाना जाता है।

अयोध्या

अयोध्या राम मंदिर को हिंदुओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों में से है। ऐसा माना जाता है कि यह भगवान राम का जन्मस्थान है। अयोध्या पहुंचने के बाद, ऑटो-रिक्शा और साइकिल रिक्शा सहित स्थानीय परिवहन विकल्प आसानी से उपलब्ध हैं। यह मंदिर सरयू नदी के तट पर स्थित है, जो आपकी आध्यात्मिक यात्रा को एक शांत पृष्ठभूमि प्रदान करता है। राम लला आरती दिन में तीन बार आयोजित की जाती है राम मंदिर की मूर्ति में देवता को पांच साल के लड़के के रूप में खड़ी मुद्रा में दर्शाया गया है।

अयोध्या में श्री रामलला मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हो चुकी है। प्राण प्रतिष्ठा में देश की नामचीन हस्तियों ने पहुंचकर रामलला के दर्शन किये। इसी के साथ पूरे अयोध्या नगरी का पुर्नउद्धार हो रहा है। इससे अयोध्या पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और दूरदराज से लोग अयोध्या पहुंचेंगे। अयोध्या में राम मंदिर के अलावा भी कई तीर्थ स्थल और ऐतिहासिक जगहें हैं, जिनका काफी महत्व है। और इनके बारे में जानने और यहां घूमने के लिए काफी लोग उत्साहित रहते हैं हालांकि दूसरे राज्यों या विदेशों से आने वाले मेहमान अयोध्या के पास स्थित हिल स्टेशनों की सैर पर भी जा सकते हैं। जहां पहुंचकर पर्यटकों को काफी सकून का अहसास होता है। अयोध्या राम मंदिर के करीब ही कुछ सुंदर हिल स्टेशन हैं, जहां आप परिवार, दोस्तों या पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं।

भरतपुर

भरतपुर भी नेपाल का एक खूबसूरत शहर है, जो कि अयोध्या से 306 किमी दूर है। भरतपुर चारों साइड से पहाड़ों से घिरा हुआ हिल स्टेशन है। भरतपुर काठमांडू और पोखरा के बाद नेपाल का तीसरा सबसे अधिक आबादी वाला शहर है। साथ ही बीस हजारी लेक, देवघाट धाम और शिवा घाट जगहों को घूम सकते हैं। इस शहर से कुछ दूरी पर चितवन नेशनल पार्क स्थित है, जहां आप जंगल सफारी का लुत्फ उठा सकते हैं। यहां एक सींग वाले गैंडों, हाथियों, रॉयल बंगाल टाइगर, मगरमच्छ, हिरण और कई अन्य जंगली जानवरों का घर है। यह काठमांडू और पोखरा के बाद नेपाल में तीसरा सबसे बड़ा पर्यटन स्थल है। पार्क को 1983 से यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में सूचीबद्ध किया गया है ।

हंसना मना है

एक बार संता जंगल से होकर गुजर रहा था सामने पेड़ पर लटकते सांप को देखकर रुक गया और बोला : सिर्फ लटकने से कुछ नहीं होगा,मम्मी को बोलो कॉम्प्लान पिलाये।

एक गरीब आदमी बोला : ऐसी जिंदगी से तो मौत अच्छी! अचानक यमदूत आया और बोला : तुम्हारी जान लेने आया हूं। आदमी बोला : लो अब गरीब आदमी मजाक भी नही कर सकता?

पापा : कितनी फ्रीक्वेंसी का भूकंप आया था। बेटा : 7.9 का। पापा : अरे वाह बेटा, आजकल तो भूकंप भी तेरे नंबर से ज्यादा आने लगे।

डॉक्टर : आपकी परेशानी व बीमारी का कारण मुझे समझ में नहीं आ रहा है। असल में मैं समझजता हुं कि यह नशे की वजह से हैं। मरीज -कोई बात नहीं, जब आपका नशा उतरेगा, तब आ जाऊंगा।

पुत्र : मां मै भी तालाब में तैरना चाहता हुं? मां : नहीं ! बेटा डूब जाओगे। पुत्र : लेकिन पिताजी तो घंटे-भर से तालाब मे तैर रहें है। मां- बेटा तुम्हारे पापा का बीमा हो चुका है।

मेहमान : और बताओ बेटा आगे का क्या प्लान है... बच्चा- बस आपके जाते है बिस्कुट खाऊंगा... वैसे भी नमकीन और मेवा तो आपने छोड़ी नहीं है....

कहानी — मेंढक और चूहा

बहुत समय पहले की बात है, किसी घने जंगल में एक छोटा-सा जलाशय था। उसमें एक मेंढक रहा करता था। उसे एक दोस्त की तलाश थी। एक दिन उसी जलाशय के पास के एक पेड़ के नीचे से चूहा निकला। चूहे ने मेंढक को दुखी देखकर उससे पूछा, दोस्त क्या बात है तुम बहुत उदास लग रहे हो। मेंढक ने कहा कि मेरा कोई दोस्त नहीं है, जिससे में ढेर सारी बातें कर सकूं। अपना सुख-दुख बताऊं।' इतना सुनते ही चूहे ने उछलते हुए जवाब दिया, 'अरे! आज से तुम मुझे अपना दोस्त समझो, मैं तुम्हारे साथ हर वक्त रहूंगा।' इतना सुनते ही मेंढक बेहद खुश हुआ। दोस्ती होते ही दोनों घंटों एक दूसरे से बातें करने लगे। मेंढक जलाशय से निकलकर कभी पेड़ के नीचे बने चूहे के बिल में चला जाता, तो कभी दोनों जलाशय के बाहर बैठकर काफी बातें करते। दोनों के बीच की दोस्ती दिनों-दिन काफी गहरी होती गई। चूहा और मेंढक अपने मन की बात अक्सर एक दूसरे से साझा करते थे। होते-होते मेंढक के मन में हुआ कि मैं तो अक्सर चूहे के बिल में उससे बातें करने जाता हूं, लेकिन चूहा मेरे जलाशय में कभी नहीं आता। ये सोचते-सोचते चूहे को पानी में लाने की मेंढक को एक तरकीब सूझी। चालाक मेंढक ने चूहे से कहा, 'दोस्त हमारी मित्रता बहुत गहरी हो गई है। अब हमें कुछ ऐसा करना चाहिए, जिससे एक दूसरों की याद आते ही हमें आभास हो जाए।' चूहे ने हामी भरते हुए कहा, 'हां जरूर, लेकिन हम ऐसा करेंगे क्या?' दुष्ट मेंढक फटाक से बोला, 'एक रस्सी से तुम्हारी पूंछ और मेरा एक पैर बांध दिया जाए, तो जैसे ही हमें एक दूसरे की याद आएगी तो हम उसे खींच लेंगे, जिससे हमें पता चल जाएगा।' चूहे को मेंढक के छल का जरा भी अंदाजा नहीं था, इसलिए भोला चूहा एकदम इसके लिए राजी हो गया। मेंढक ने जल्दी-जल्दी अपने पैर और चूहे की पूंछ को बांध दिया। इसके बाद मेंढक ने एकदम पानी में छलांग लगा ली। मेंढक खुश था, क्योंकि उसकी तरकीब काम कर गई। वहीं, जमीन पर रहने वाले चूहे की पानी में हालत खराब हो गई। कुछ देर छटपटाने के बाद चूहा मर गया। बाज आसमान में उड़ते हुए यह सब रहा था। उसने जैसे ही पानी में चूहे को तैरते हुए देखा तो बाज तुरंत उसे मुंह में दबाकर उड़ गया। दुष्ट मेंढक भी चूहे से बंधा हुआ था, इसलिए वो भी बाज के चंगुल में फंस गया। मेंढक को पहले तो समझ ही नहीं आया कि हुआ क्या। वो सोचने लगा आखिर वो आसमान में उड़ कैसे रहा है। जैसे ही उसने ऊपर देखा तो बाज को देखकर वो सहम गया। वो भगवान से अपनी जान की भीख मांगने लगा, लेकिन चूहे के साथ-साथ बाज उसे भी खा गया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — सही काम का भी विरोध होगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। कोई बड़ी समस्या बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नई योजना बनेगी।

वृषभ — धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

मिथुन — शत्रुभय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से क्लेश होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

कर्क — प्रतिद्वंद्विता कम होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बिगड़ सकती है। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा।

सिंह — भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी।

कन्या — शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा।

तुला — शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे।

वृश्चिक — पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु — किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। राजभय रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

मकर — कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कुम्भ — मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है या समय पर नहीं मिलेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें।

मीन — बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी।

फिर जमेगी प्रियदर्शन संग अक्षय की जोड़ी

बॉलीवुड | मसाला

अक्षय कुमार ने अपनी शानदार एक्टिंग से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। अक्षय कुमार को उनकी कॉमिक टाइमिंग के लिए भी जाना जाता है। अक्षय कुमार इन दिनों फिल्म बड़े मियां छोटे मियां को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसी बीच उनकी फिल्मों की लिस्ट में एक नया नाम जुड़ गया है।

अक्षय कुमार 14 साल बाद फिल्ममेकर प्रियदर्शन के साथ काम करने जा रहे हैं। इस बात का ऐलान खुद फिल्ममेकर ने एक इंटरव्यू के दौरान किया है और फिल्म को लेकर कुछ जानकारी भी शेयर की है।

हाल ही में डायरेक्टर ने मीडिया से बातचीत में बताया कि वो एक हॉरर कॉमेडी फिल्म बनाने जा रहे हैं। इस फिल्म के माध्यम से अक्षय कुमार 14 साल बाद प्रियदर्शन के साथ काम करेंगे। डायरेक्टर ने ये भी बताया कि फिल्म भूल भुलैया सीक्वल नहीं होगी, ये एक ओरिजिनल कहानी होगी।

बातचीत में डायरेक्टर ने इस बात का भी खुलासा किया कि ये उनकी स्क्रिप्ट नहीं है बल्कि एकता कपूर की है। यह एक फैंटेसी हॉरर जोन वाली एक हॉरर कॉमेडी फिल्म होगी। फिलहाल फिल्म का प्री-प्रोडक्शन वर्क जारी है। इस फिल्म को लेकर अक्षय कुमार के फैन्स काफी एक्साइटेड हैं। अक्षय कुमार और फिल्ममेकर प्रियदर्शन लंबे वक्त बाद साथ में काम करने जा रहे हैं। 14 साल पहले उन्होंने 6 फिल्मों में साथ काम किया था। साल 2010 में इस जोड़ी ने आखिरी बार खट्टा मीठा में साथ काम किया था।

अपने इंटरव्यू के दौरान फिल्ममेकर प्रियदर्शन ने 'भूल भुलैया' के सीक्वल को लेकर भी बात की। उनका कहना था कि वह 'भूल भुलैया' की सक्सेस से काफी खुश हैं और उनके साथ 'भूल भुलैया' के सीक्वल के लिए कोई टॉपिक नहीं थी। इस फिल्म के सीक्वल को बनाना आसान नहीं था। फिल्ममेकर ने 'भूल भुलैया' के सीक्वल के लिए अनीस बज्मी को बधाई भी दी।

बॉलीवुड | एंट्री

स्पाई यूनिवर्स में जासूस का किरदार निभाएंगी आलिया भट्ट

स्ट्रीमिंग सीरीज द रेलवे मेन के निर्देशक शिव रवैल, आलिया भट्ट और शरवरी स्टारर एक्शन फिल्म का निर्देशन करने के लिए तैयार हैं। इस एक्शन फिल्म का टाइटल अभी तय नहीं हुआ है। नई फिल्म स्पाई-यूनिवर्स का हिस्सा होगी, जिसमें एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर और पठान सहित हिंदी सिनेमा की कुछ सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं।

फिल्म में आलिया और शरवरी सुपर एजेंट्स की भूमिका निभाती नजर आएंगी और इसका निर्माण जल्द ही शुरू होने वाला है। इंडस्ट्री के एक सूत्र के अनुसार, द रेलवे मेन के बाद निर्देशक शिव रवैल इस फिल्म का निर्देशन करेंगे। द रेलवे मेन का प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर हुआ था। इसमें दिखाया गया कि कैसे 1984 में भोपाल में केमिकल कंपनी यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड के प्लांट में जहरीली गैस रिसाव के दौरान कई लोगों की जान बचाई गई थी। सूत्र ने कहा, वाईआरएफ के लिए शिव की पहली निर्देशित फिल्म द रेलवे मेन जबरदस्त हिट रही है। वह युवा हैं और उन्हें इस बात की अच्छी समझ है कि युवा एंटरटेनमेंट के तौर पर क्या चाहते हैं। सूत्र ने कहा, आदित्य को विश्वास है कि वह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की एक्शन एंटरटेनर का निर्देशन करने के लिए बेस्ट डायरेक्टर हैं, जिसमें शरवरी के साथ आलिया भट्ट लीड रोल में हैं। आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित, स्पाई यूनिवर्स की शुरुआत टाइगर फ्रेंचाइजी के साथ हुई, जिसमें सलमान खान और कैटरीना कैफ ने अभिनय किया, जिसकी शुरुआत एक था टाइगर और टाइगर जिंदा है से हुई और ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ स्टारर वॉर और शाहरुख खान-स्टारर पठान और सलमान खान-स्टारर टाइगर 3 तक जारी रही।

फिर पर्दे पर उतारी जाएगी गुजरात दंगों की कहानी

गुजरात में साल 2002 में हुए गोधरा कांड ने पूरे देश को झकझोर के रख दिया था। आज भी लोगों को यह घटना बहुत अच्छी तरह से याद होगी। इतने सालों में इस मामले को कई फिल्मों के जरिए दर्शकों के बीच पेश किया जा चुका है। अब 22 साल बाद फिल्म एक्सीडेंट ऑर कॉन्सपिरेसी गोधरा में फिर से इस हटना को उतारा जा रहा है। कुछ समय पहले ही इस फिल्म का ऐलान किया गया था। वहीं, अब मेकर्स ने इसका टीजर भी रिलीज कर दिया है। एक्सीडेंट ऑर कॉन्सपिरेसी गोधरा के टीजर में मनोज जोशी और रणवीर शौरी को वकील के किरदार में देखा जा रहा है। 1 मिनट 2 सेकंड के इस टीजर में मनोज कहते हैं, अगर गुजरात दंगों का सच जानना है तो इसके लिए कार सेवकों की हत्या की कॉन्सपिरेसी को समझना होगा।

इसके बाद रणवीर कहते हैं, साबरमति एक्सप्रेस में हुई घटना एक एक्सीडेंट थी यह कोई कॉन्सपिरेसी नहीं। इसके बाद जलती हुई ट्रेन में फंसे लोग और चीख-पुकार की आवाजें दिल दहला देती हैं।

गोधरा कांड पर आधारित है फिल्म

फिल्म में गोधरा कांड के सच को सामने लाने की कोशिश की गई है। बता दें कि इस फिल्म की कहानी 27 फरवरी, 2002 में गोधरा से अहमदाबाद जा रही साबरमति एक्सप्रेस ट्रेन में लगी आग आधारित है। इसमें करीब 59 लोगों ने अपनी जान गवां दी थी। यह घटना को देश के सबसे दर्दनाक घटनाओं में से एक माना जाता है।

हफ्ते में केवल 2 घंटों के लिए खुलता है ये जंगल, अंदर है अलग ही दुनिया

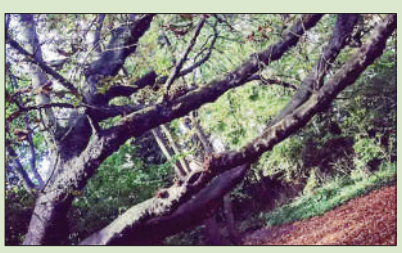

दुनिया में कई जंगल हैं जहां इंसानों का जाना मना है। पर क्या आपने ऐसा छोटा सा जंगल देखा है जो हफ्ते में केवल दो घंटों के लिए ही खुलता है। मजेदार बात यह है कि यह लंदन में है और बहुत कम लोग इसके बारे में जानते हैं। इसे खोजना भी आसान नहीं हैं। केवल 10 मिनट में देखे जा सकने वाले इस नेचर रिजर्व में कई तरह के पेड़ और जीव जंतु देखे जा सकते हैं, लेकिन बाहर से लगता ही नहीं है कि इसके अंदर प्रकृति का ऐसा खजाना भरा पड़ा है।

बैन्सबरी वुड्स इंग्लैंड के पास इसलिंगटन में मौजूद एक छोटा से नेचर रिजर्व है जो पहले एक छोटा से निजी पार्क हुआ करता था। इसलिंगटन काउंसिल का कहना है कि बर्सबरी वुड यहां का छिपा हुआ हीरा है और आज पिछले 28 सालों से यह लंदन का सबसे छोटा स्थानीय नेचर रिजर्व बना हुआ है। बैसबरीवुड्स एक एक समय में सांसद हंटिंगडन जॉर्ज थोर्नहिल का हुआ करता है लेकिन यह बाद में खराब हो गया और इसकी चीजें 1852 की हैं। इस जमीन को लंदन बरो ऑफ इसलिंगटन ने 1974 में खरीदा और इसका विकास करने की योजना भी बनाई, लेकिन यह नाकाम रही और इसे लोगों के लिए खोल दिया गया। लंदन में यह अपने तरह का बहुत छोटा से जंगल है जो केवल 0.35 एकड़ के इलाका घेरे हुए है। इसे खोजना भी आसान नहीं है। थोर्नहिल क्रीसेंट के बुहत से विक्टोरियन घरों के पीछे, एक काले से लोहे के गेट के पीछे यह मिलता है। लेकिन इसके अंदर प्रकृति प्रेमी बहुत सारे छोटे जीव देख सकते हैं, जिसमें लेडीबर्ड, स्टैग बीटल्स, और मेंढक आदि शामिल हैं। यहां के पेड़ बहुत ही परिपक्व और पुराने दिखते हैं यहां कई प्रकार के दुर्लभ पौधे जंगली फूलों के बाग भी मिलते हैं। हैरानी की बात यही है कि यह प्राकृतिक छोटा सा जंगल हर मंगलवार को दिन में दो से चार बजे तक खुलता है और जुलाई और सितंबर में शनिवार को 2 से 4 बजे के बीच में भी खुलता है। इस पार्क को केवल 10 मिनट में ही घूम कर देखा जा सकता हूं।

अजब-गजब | किसी हॉरर फिल्म से कम नहीं यह जगह

150 लोगों को दी फांसी, फिर मगरमच्छों को खिला दिए शव

जंगल के बीच कटीली झाड़ियां, कांटों भरा रास्ता और चारों ओर सन्नाटा। जैसे-जैसे कदम आगे बढ़ते हैं, लगता है कोई साथ चल रहा है या फिर पीछा कर रहा है। करीब 1 किमी पैदल चलने के बाद आखिर में खंडहर में तब्दील हो चुकी एक पुरानी स्मारक नजर आती है। इसी जगह पर 150 से ज्यादा लोगों को एक साथ फांसी पर लटकाया गया था और बाद में उनके शवों को मगरमच्छों को खिला दिया गया था।

यह दृश्य और कहानी किसी हॉरर फिल्म की स्टोरी से कम नहीं है। आज भी यहां रात के अंधेरे में लोग जाने से कतराते हैं। दरअसल, जिस जगह के बारे में हम बात कर रहे हैं, वह मध्य प्रदेश के खरगोन जिला मुख्यालय से 50 चरूदूर मंडलेश्वर के एक जंगल में मौजूद है। क्षेत्र में यह स्थान फांसी बैडी के नाम से जाना जाता है। सालों पहले यहां अंग्रेजों ने मौत का तांडव किया था। लोग कहते हैं कि जैसे आज भी यहां कुछ है।

हकीकत से रूबरू होने के लिए लोकल 18 की टीम इतिहास के जानकर दुर्गेश कुमार

राजदीप के साथ कसरावद रोड से अंदर करीब 1 किमी रूपैदल जंगल के रास्ते होते हुए फांसी बैडी पहुंची। ऊंचे टीले पर कटिली झाड़ियों से घिरी पुरानी स्मारक दिखी, जिसका निर्माण कई सदियों पहले क्रांतिकारियों ने किया था।

इतिहासकार दुर्गेश राजदीप ने बताते हैं कि ब्रिटिश हुकूमत में मंडलेश्वर निमाड़ रेंज का मुख्यालय था। ब्रिटिश रेजिडेंट यहां निवास करते थे। घुड़सवार और पैदल दोनों सेनाएं यहां मौजूद थी। 1857-58 में अंग्रेजों ने मंडलेश्वर किले पर आक्रमण कर कब्जा किया। निमाड़ के क्रांतिकारी भीमा नायक के 150 से भी ज्यादा साथियों को हिरासत में ले लिया गया और उन्हें इसी जगह लाकर फांसी पर चढ़ा दिया।

आगे बताया कि पहले यहां बहुतायत में नीम के विशाल पेड़ थे। सभी क्रांतिकारियों को इन्हीं नीम के पेड़ों पर सामूहिक फांसी दी गई। मौत के बाद शवों को घसीटते हुए नर्मदा नदी के किनारे मगरडाब में फेंक दिया गया, जहां मगरमच्छों ने शवों को खाकर अपनी भूख मिटाई। उस समय यहां बड़ी संख्या में मगरमच्छ देखे जाते थे।

दुर्गेश राजदीप ने कहा कि शासन-प्रशासन की अनदेखी से यह स्थान दुर्दशा का शिकार हो गया है। क्षेत्र के जीर्णोद्धार सहित पर्यटन की दृष्टि से इस क्षेत्र को विकसित करने शिवराज सरकार को प्रस्ताव भेजकर मांग कर चुके हैं। अभी वर्तमान क्षेत्रीय विधायक राजकुमार मेव से भी फांसी बैडी के विकास की मांग की है।

गरीब जनता व महिलाओं को कुचल रही सरकार

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बोले- राज्य में केंद्र का हस्तक्षेप संघवाद को कमजोर कर रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

त्रिशूर (केरल)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राज्य शासन में उसका हस्तक्षेप और राज्यों की राजनीतिक स्वायत्तता को कमजोर करने का प्रयास संघवाद के सिद्धांतों को कमजोर करता है। खरगे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार न केवल राज्य सरकारों को परेशान कर रही है, बल्कि देश की गरीब जनता और महिलाओं को कुचल भी रही है।

खरगे केरल के त्रिशूर जिले में केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) द्वारा आयोजित एक जनसभा में बोल रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि सत्तारूढ़ दल के नेताओं में पंडित जवाहरलाल नेहरू जैसी राजनीतिक कौशल की कमी है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि राज्य शासन और स्वायत्त निकायों में केंद्र का हस्तक्षेप संघवाद के सिद्धांतों को कमजोर करता है, जिसमें राज्यपालों का हस्तक्षेप और राज्यों की राजनीतिक स्वायत्तता को कम करने का प्रयास शामिल है। खरगे ने यहां एकत्रित सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संवैधानिक अधिकारों और लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट होने की जरूरत पर जोर दिया। हमें अपने अधिकारों की रक्षा करने और अपने देश के लोकतांत्रिक ढांचे को बनाए रखने के लिए एकजुट होना चाहिए। केरल में यूडीएफ गठबंधन के साथ कांग्रेस पार्टी इन हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि देश में मौजूदा उच्च मुद्रास्फीति और बेरोजगारी ने गरीबों, निम्न मध्यम वर्ग और मध्यम वर्ग की आबादी को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। कांग्रेस नेता खरगे ने आरोप लगाया कि भाजपा शासन ने सार्वजनिक क्षेत्र को पूरी तरह से खत्म करने और केवल निजी क्षेत्र को समर्थन देने का फैसला किया है। खरगे ने कहा कि देश में मौजूद बेरोजगारी और मुद्रास्फीति के संयोजन ने प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में गरीबों के संघर्ष को बदतर बना दिया है।

बहुमत की आड़ में देश का चुनावी लोकतंत्र 'चुनावी तानाशाही' में बदला : शशि थरूर

लोकतांत्रिक संस्थाओं के क्षरण पर चिंता जताते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कहा कि बहुमत की आड़ में देश चुनावी लोकतंत्र के बजाय 'चुनावी तानाशाही में बदल रहा है। थरूर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय राजनीतिक परिदृश्य व्यक्ति केंद्रित हो गया है और पिछले दस वर्षों से देश ने केवल मैं और 'सिर्फ मैं ही सुना है। उन्होंने कहा कि लेकिन अब देश को एक ऐसे वैकल्पिक नेतृत्व की जरूरत है, जो जनता जनार्दन की बात सुने, उसकी जरूरतों को समझे और उसकी समस्याओं का समधान निकाले। पूर्व नौकरशाह, लेखक और कांग्रेस पार्टी के नेता शशि थरूर ने यहां 17वें जयपुर साहित्य महोत्सव में यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क में ग्लोबल डेवलपमेंट पॉलिटिक्स के वरिष्ठ प्रोफेसर इंद्रजीत रॉय की पुस्तक पर आधारित सत्र ऑडेसियस होप, हाउ टू सेव ए डेमोक्रेसी पर एक चर्चा में भाग लेते हुए केंद्र की भाजपा सरकार पर लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता और उनके मूल ढांचे को ध्वस्त करने का भी आरोप लगाया। आगामी आम चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तित्व का भारतीय जनता पार्टी को फायदा मिलने और इसके विपक्ष के लिए नुकसानदेह होने की आशंका पर तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस के सांसद थरूर ने कहा कि हमारे यहां संसदीय प्रणाली है, जिसे राष्ट्रपति द्वारा संचालित किया जाता है और हमें इस बारे में 2014 के 'मैं नहीं, हम नारे को याद रखना चाहिए।

यूपी में न्यायाधीश भी सुरक्षित नहीं : प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश में एक महिला न्यायाधीश का शव उनके क्वार्टर में पाए जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर निशाना साधा और कहा कि उन्हें चिंता है कि वहां एक सामान्य लड़की को किस तरह का डर महसूस होता होगा। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में न्यायाधीश की मौत के मामले में उनके पिता की शिकायत के बाद अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। प्रियंका ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उप्र के बांदा में कुछ हफ्ते पहले एक महिला न्यायाधीश ने इच्छा मृत्यु मांगी। अब बदायूं में एक महिला न्यायाधीश का शव उनके घर में पाया गया, जिसकी जांच पर उनके परिवार ने गंभीर सवाल उठाए है। उन्होंने कहा,

» महिला न्यायाधीश की मौत मामले में भाजपा सरकार को घेरा

भाजपा राज में महिला न्यायाधीशों की सुरक्षा का ये हाल है, तो सोचिए कि एक सामान्य लड़की हर दिन किस भय के साथ जीती होगी। प्रियंका ने कहा, राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक, महिलाओं के खिलाफ अपराध में उत्तर प्रदेश नंबर-एक है। हर घंटे आठ महिलाएं अपराध का शिकार बनती है। कांग्रेस महासचिव ने कहा, उप्र महिलाओं के लिए पूरी तरह असुरक्षित हो चुका है, क्योंकि सुरक्षा के सारे बड़े-बड़े दावे सिर्फ विज्ञापनों में है। महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध के आंकड़े यह दिखाते है कि सरकार असल में महिला सुरक्षा को लेकर कितनी गंभीर है। अब महिलाओं की और समाज की जागरूकता ही उन्हें दमन और हिंसा के इस भंवर से निकालेगी।

कानपुर देहात में दर्दनाक हादसा, कार बेकाबू होकर नाले में गिरी, छह की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर देहात। कानपुर देहात में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। एक बार बेकाबू होकर नाले में गिर हई। हादसे में बीएसएफ जवान समेत छह लोगों की मौत हो गई है। जबकि दो लोग घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

तिलक समारोह से लौट रहे थे लोग

जानकारी के अनुसार, कानपुर देहात में रविवार रात करीब दो बजे सिकंदरा के संदलपुर मार्ग पर जगन्नाथपुर गांव के पास स्विफ्ट डिजायर कार अनियंत्रित नाले में पलट गई। कार सवार छह लोगों की मौत हो गई, जबकि कार में फंसे दो बच्चों को सकुशल बचा लिया गया है। ये सभी औरैया जिले से तिलक समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। रात में एसपी, एएसपी घटना स्थल पर पहुंचे। सभी को अस्पताल भेजा गया जहां डाक्टरों ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया। परिवार फुफगाव, भिंड मध्यप्रदेश से तिलक समारोह में शामिल होकर लौट रहा था। रविवार रात करीब दो बजे सिकंदरा के संदलपुर मार्ग पर जगन्नाथपुर गांव के पास स्विफ्ट डिजायर कार अनियंत्रित नाले में पलट गई। कार सवार चालक विकास पुत्र रमाकांत (42), निवासी मुर्रा थाना डेरापुर, खुशबू पुत्री पंकज शर्मा (17), निवासी मुर्रा थाना डेरापुर, गोलू पुत्र विजय(16), निवासी बैरी बागपुर थाना शिवली, प्रतीक पुत्र पवन (10) शैलहा थाना शिवराजपुर कानपुर नगर, संजय उर्फ संजू पुत्र स्व. मोतीलाल (55) निवासी मुर्रा महोई थाना डेरापुर, प्राची पुत्री पंकज शर्मा (13) निवासी मुर्रा थाना डेरापुर कानपुर देहात की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि कार से वैष्णवी पुत्री विकास (16) निवासी मुर्रा थाना डेरापुर और विराट पुत्र विकास (18) निवासी मुर्रा थाना डेरापुर घायल हैं। उन्हें अस्पताल भेजा गया है। सभी शवों को मोर्चरी भेज दिया गया है। एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति समेत अन्य अधिकारी मौके पर हैं।

यूपी में बारिश ने बढ़ा दी ठंडक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण रविवार को प्रदेश के कई इलाकों में बूंदाबांदी से लेकर तेज बारिश तक हुई। जो सोमवार की सुबह भी जारी रही। इसके साथ चलीं सर्द हवाओं ने गलन बढ़ा दी है। प्रदेश में न्यूनतम तापमान फैजाबाद (9 डिग्री) दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने सोमवार को भी ऐसे हालात के आसार जताए हैं।

» आज कई जिलों में गिर सकते हैं ओले

कृषि विशेषज्ञों ने रविवार की मध्यम बारिश को गन्ना, गेहूं, मटर व सरसों के लिए मुफीद बताया। पर सोमवार को तेज बारिश व ओलावृष्टि की आशंका को लेकर चिंता भी व्यक्त की है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण ही पर्वतीय राज्यों में भारी हिमपात हुआ। मौसम विभाग ने सोमवार को प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में तेज हवा के साथ बारिश की आशंका जताई है। इस दौरान कई स्थानों पर बिजली गिर सकती है। पश्चिम यूपी के कई जिलों में कोहरे की भी आशंका जताई गई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार सोमवार को दिन में बारिश के बाद मंगलवार से मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। दिन भर रुक-रुक हुई बारिश और बूंदाबांदी से अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जोकि शनिवार को 25.3 था। हालांकि न्यूनतम तापमान में 3.4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई। रविवार को यह 12.2 डिग्री सेल्सियस रहा। शनिवार की बात करें तो न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री सेल्सियस था।

बादल गरजने व वज्रपात की आशंका

सोमवार को भी मौसम विभाग ने प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में तेज हवा के साथ बारिश के आसार जताये हैं। प्रयागराज, बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, वाराणसी, संत रविदास नगर, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, गोंडा, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी एवं आसपास इलाकों में बारिश के साथ बादल गरजने व बिजली गिरने की आशंका है। मौसम विभाग ने सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़ , गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, संभल व आसपास के इलाकों में कोहरे की आशंका जताई है।

बाइजैग में भारतीय गेंदबाजों ने जगाई उम्मीदें

» लंच तक इंग्लैंड के छह विकेट गिरे, जीत के लिए अब 205 रन की जरूरत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

विशाखापत्तनम। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला विशाखापत्तनम में जारी है। भारतीय टीम ने 399 रन का लक्ष्य रखा है, जिसके जवाब में इंग्लैंड की दूसरी पारी खेल रही है। लंच तक इंग्लैंड ने 194 के स्कोर पर छह विकेट गंवा दिए हैं। छठा विकेट गिरते ही अंपायर ने लंच की घोषणा कर दी। इंग्लिश टीम को जीत के लिए अब भी 205 रन की जरूरत है। भारतीय टीम ने मैच में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है।

हालांकि, अब भी क्रीज पर बेन स्टोक्स और बेन फोक्स मौजूद हैं। सोमवार को इंग्लैंड ने एक विकेट पर 67 रन से आगे खेलना शुरू किया। टीम को आज का पहला झटका अक्षर पटेल ने दिया। उन्होंने नाइट वाचमैन रेहान अहमद को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। रेहान 23 रन बना सके। इसके बाद अश्विन ने ओली पोप (23) और जो रूट (16) को पवेलियन भेजा। क्राउली ने एक छोर को संभाले रखा। उन्होंने अर्धशतक लगाया। फिर जैक क्राउली और जॉनी बेयरस्टो ने 40 रन की साझेदारी निभाई। इस साझेदारी को लंच से ठीक पहले कुलदीप ने तोड़ा। कुलदीप की फिरकी का जादू चला और उन्होंने क्राउली को पवेलियन भेज दिया। कुलदीप की गेंद क्राउली के पैड पर जाकर लगी। इस पर कुलदीप कप्तान रोहित से डीआरएस लेने की मांग करने लगे। रोहित ने थोड़ा समय लिया और फिर रिव्यू ले लिया। इसके बाद रिव्यू में दिखा कि तीनों रेड टिक लगे और क्राउली आउट हो गए। रोहित ने फिर कुलदीप को गोदी में उठा लिया। क्राउली ने 132 गेंद में 73 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद बुमराह ने बेयरस्टो को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। वह पांच चौके की मदद से 26 रन बना सके। भारत की ओर से अश्विन ने अब तक तीन विकेट लिए हैं। वहीं, बुमराह, अक्षर और कुलदीप को एक-एक विकेट मिला।

चला फिरकी का जादू

इंग्लैंड को 194 के स्कोर पर पांचवां झटका लगा। कुलदीप की फिरकी का जादू चला है और उन्होंने मैदान पर जम चुके जैक क्राउली को लंच से ठीक पहले पवेलियन भेज दिया। कुलदीप की गेंद क्राउली के पैड पर जाकर लगी। इस पर कुलदीप कप्तान रोहित से डीआरएस लेने की मांग करने लगे। रोहित ने थोड़ा समय लिया और फिर रिव्यू ले लिया। इसके बाद रिव्यू में दिखा कि तीनों रेड टिक लगे और क्राउली आउट हो गए। रोहित ने फिर कुलदीप को गोदी में उठा लिया। क्राउली ने 132 गेंद में 73 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया। फिलहाल जॉनी बेयरस्टो और कप्तान बेन स्टोक्स क्रीज पर हैं। इंग्लैंड को 205 रन की जरूरत है।

विधानसभा में मोदी सरकार को धोकर रख दिया हेमंत सोरेन ने

» झारखंड में चंपई सरकार ने हासिल कर लिया बहुमत

» सत्तापक्ष के विधायकों ने की केंद्र सरकार और भाजपा के विरुद्ध नारेबाजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड विधासभा में चंपई सोरेन सरकार के बहुमत प्रस्ताव के दौरान पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने मोदी सरकार व भाजपा पर जमकर हमला बोला। उधर चंपई सरकार ने विश्वासमत हासिल कर लिया । उसके पक्ष में 47 वोट पड़े। बहस के दौरान सत्ता पक्ष ने बीजेपी के खिलाफ खूब नारेबाजी की। अपने भाषण में हेमंत ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार उन्हें फसाने के लिए कई दिनों से साजिश रच रही थी। पूर्व सीएम ने बीजेपी को चुनौती देते हुए कहा कि हिम्मत हो तो में ऊपर लगाए आरोपों को साबित करें मै वादा करता हूं कि आरोप साबित होने पर राजनीति ही नहीं झारखंड छोड़ दूंगा।

हेमंत ने कहा कि मैं आंसू नहीं बहाऊंगा। उन्होंने ईडी से कहा कि वह साबित करें कि वो जमीन मेरे नाम पर है। बड़ी सुनियोजित तरीके से, लंबे समय से 2022 से 31 तारीख को हुए अंजाम की पटकथा लिखी जा रही थी। उन्होंने कहा मेरे संज्ञान में नहीं है कि पहले किसी मुख्यमंत्री की ऐसी गिरफ्तारी हुई है। मुझे लगता है कि इसमें राजभवन भी शामिल है।

हेमंत बाबू हैं तो हिम्मत है : सीएम

चंपई सोरेन ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि हेमंत सोरेन की योजना हर घर में दिखती है। लोगों के दिल में जले दीए को आप मिटा नहीं सकते हैं। चंपई सोरेन ने कहा कि जिस परिवार में कभी शिक्षा का दिया नहीं जला हम उस परिवार में दिया जलाएंगे. क्या ये गलत है? केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा है, हेमंत सोरेन पर झूठे आरोप लगाए गए। सीएम ने हेमंत सोरेन की तारीफ की। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने विधानसभा में कहा कि हेमंत सोरेन हैं तो हिम्मत है। हेमंत सोरेन ने राज्य का कुशल नेतृत्व किया।

शिवसेना यूबीटी गुट को 'सुप्रीम' राहत

» विस अध्यक्ष के फैसले के खिलाफ याचिका को सूचीबद्ध करने को राजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के मुखिया और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की याचिका को सूचीबद्ध करने पर विचार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट सोमवार को राजी हो गया। ठाकरे ने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के असली शिवसेना के फैसले को चुनौती दी है।

दरअसल, नार्वेकर ने राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खेमे वाली शिवसेना को असली शिवसेना बताया है। भारत के सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने ठाकरे गुट की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता की उस दलील पर गौर किया कि सोमवार को सूचीबद्ध की जाने वाली याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं किया गया है। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर 22 जनवरी को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और कुछ अन्य विधायकों से जवाब मांगा था। अदालत ने तब याचिका को दो सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आदेश दिया था।

अविवाहित गर्भवती को गर्भपात की अनुमति से कोर्ट का इंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 28 सप्ताह की अविवाहित गर्भवती युवती (20) को गर्भपात की अनुमति देने से सोमवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति सुब्रमणियम प्रसाद ने कहा, याचिका खारिज की जाती है। अदालत ने पिछले सप्ताह याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था लेकिन उसने यह मौखिक टिप्पणी की थी कि वह महिला को पूर्ण रूप से विकसित भ्रूण को गिराने की इजाजत नहीं देंगे।

न्यायाधीश ने कहा था, मैं 28 सप्ताह के पूर्ण रूप से विकसित भ्रूण को गिराने की इजाजत नहीं दूंगा। रिपोर्ट में मुझे भ्रूण में कोई असामान्यता नहीं दिखाई दी। गर्भपात की इजाजत नहीं दी जा सकती। जब चिकित्सकों ने गर्भधारण की अवधि 24 सप्ताह की कानूनी रूप से स्वीकार्य सीमा से अधिक होने के कारण गर्भपात करने से इनकार कर दिया तो महिला ने गर्भ का चिकित्सकीय समापन अधिनियम के तहत गर्भपात कराने की अनुमति लेने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। महिला की ओर से पेश हुए वकील अमित मिश्रा ने कहा कि युवती को पहले गर्भावस्था के बारे में पता नहीं था और उसे 25 जनवरी को ही पता चला कि वह 27 सप्ताह की गर्भवती है।

नकल रोकने के लिए बना नया कानून

लोस में लोक परीक्षा अनुचित साधन निवारण विधेयक 2024 बिल पेश

» एक करोड़ का जुर्माना और 10 साल की जेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सरकारी परीक्षाओं में गड़बड़ी और पेपर लीक पर नकेल कसने के लिए सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। दरअसल, सरकार की ओर से आज लोकसभा में लोक परीक्षा अनुचित साधन निवारण विधेयक 2024 बिल पेश किया गया, जिसे मंजूरी दे दी गई है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने अभिभाषण में भी कहा था कि हमारी सरकार पेपर लीक रोकने के लिए बिल लेकर आएगी। कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह इस विधेयक को सबसे पहले निचले सदन लोकसभा में पेश किया। लोकसभा में पास होने के बाद इसे ऊपरी सदन राज्यसभा में पेश किया जाएगा।

दोनों सदनों में पास होने के बाद इसे राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा और अनुमति मिलने के बाद यह कानून लागू हो जाएगा। सख्त हुए सजा के प्रावधान विधेयक का जोर परीक्षा पत्रों तक पहुंच हासिल करने और उन्हें उम्मीदवारों तक पहुंचाने के लिए अनुचित तरीकों से शामिल संगठित सिंडिकेट पर नकेल कसने पर होगा। इसके अलावा इसमें सजा के प्रावधान भी सख्त किए जाएंगे। प्रस्तावित विधेयक का उद्देश्य उन व्यक्तियों, संगठित समूहों या संस्थानों को प्रभावी और कानूनी रूप से रोकना है, जो विभिन्न अनुचित साधनों में शामिल होते हैं। मौद्रिक या गलत लाभ के लिए सार्वजनिक परीक्षा प्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले पर सख्त कार्रवाई किए जाने का फैसला किया गया है।

सदन में जवाब नहीं चुनावी भाषण देंगे मोदी

» कांग्रेस नेता जयराम रमेश बोले, लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर वक्तव्य देंगे पीएम

» बजट सत्र में विपक्ष का भाजपा सरकार पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दिन में निर्धारित पीएम मोदी के भाषण पर चुटकी लेते हुए कहा कि यह एक चुनावी भाषण होगा। उन्होंने कहा कि धन्यवाद ज्ञापन में पहले विपक्षी नेता बोलते हैं और फिर प्रधानमंत्री उसका जवाब देते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को संसद में बजट सत्र के पहले दिन 31 जनवरी को दिए गए राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीएम मोदी अपने भाषण के दौरान लोकसभा चुनाव का एजेंडा तय कर सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा में अपने सभी सांसदों को मौजूदा बजट सत्र के चौथे दिन निचले सदन में उपस्थित रहने के लिए तीन-लाइन व्हिप जारी किया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दिन में निर्धारित पीएम मोदी के भाषण पर चुटकी लेते हुए कहा कि यह एक चुनावी भाषण होगा।

बुनकरों का दुख-दर्द सुनेंगे राहुल गांधी

रांची। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा सोमवार को झारखंड के रामगढ़ जिले से फिर शुरू हुई। राज्य में यात्रा का आज चौथा दिन है। कांग्रेस की राज्य इकाई ने कहा कि जिले के सिद्धू-कान्हू मैदान में रविवार रात को रुकने के बाद, राहुल स्वतंत्रता सेनानियों शहीद शेख भिखारी और टिकैत उमराव सिंह को श्रद्धांजलि देंगे। रांची जिले के इरबा पहुंचने के बाद राहुल, इंदिरा गांधी हैंडलूम प्रोसेस मैदान में बुनकरों से संवाद करेंगे।

कोर्ट के आदेश को सभापति ने ठुकराया

नई दिल्ली। आप नेता संजय सिंह सोमवार 5 फरवरी को राज्यसभा सांसद पद की शपथ नहीं ले सकेंगे। राज्यसभा सभापति ने संजय सिंह को सांसद के तौर पर शपथ लेने की अनुमति नहीं दी है। सभापति का कहना है कि यह मामला फिलहाल विशेषाधिकार समिति के पास है। जानकारी के लिए बता दें कि आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह को राउज एवेन्यू कोर्ट की तरफ से आंशिक राहत दी गई थी। कोर्ट ने संजय सिंह को जेल से बाहर आकर राज्यसभा में शपथ लेने की अनुमति दी थी। हालांकि, सोमवार को शपथ ग्रहण से पहले ही राज्यसभा सभापति ने सांसद के तौर पर संजय सिंह को शपथ लेने की अनुमति देने से इनकार कर दिया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।